सोमवार, 27 जुलाई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कमाल की बल्लेबाजी की

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राशा थडानी की अगली फिल्म पर टिकी उम्मीदें, 'लाइकी लाइका' में आएंगी नजर

Page-05

ईरान पर नए हमलों पर ट्रंप ने लगाई रोक, बातचीत से समाधान पर जोर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सेना को निर्देश दिया है कि वह फिलहाल ईरान पर कोई नया हमला न करे। द न्यूयॉर्क टाइम्स और एक्सियोस की रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुक्रवार को अपने टॉप एडवाइजर्स और कैबिनेट मंत्रियों के साथ हुई मीटिंग के बाद ट्रंप ने यह अहम फैसला लिया। लगातार 13 दिनों तक ईरान पर सैन्य कार्रवाई कराने के बाद ट्रंप ने अब इस पर ब्रेक लगा दिया है। उन्होंने साफ किया है कि वे किसी बड़े युद्ध के बजाय ईरान के साथ बातचीत करके एक समझदारी भरा समझौता करना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति ट्रंप को चेतावनी दी थी कि अगर यह सैन्य अभियान ऐसे ही जारी रहा, तो मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों और एयर डिफेंस हथियारों की भारी कमी हो सकती है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने सलाह दी कि बड़े पैमाने पर युद्ध जारी रखने से रक्षा हथियारों का स्टॉक खत्म हो सकता है, जिससे वहां मौजूद अमेरिकी सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अभी यह पूरी तरह साफ नहीं है कि हमलों पर रोक का यह फैसला हमेशा के लिए है या कुछ समय के लिए। हालांकि, अगर राष्ट्रपति ट्रंप दोबारा आदेश देते हैं, तो अमेरिकी सेना बहुत ही कम समय में हमला करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सूत्रों का कहना है कि सेना ने आगे के ऑपरेशन्स की योजनाएं बनाकर रखी हैं, लेकिन फिलहाल ट्रंप ने उन्हें आगे बढ़ने की हरी झंडी नहीं दी है। इस पूरे मुद्दे पर व्हाइट हाउस ने कोई आधिकारिक बयान देने से मना कर दिया है।

विकसित गांव कार्यक्रम में पीएम मोदी ने युवाओं से किया संवाद,

सीमावर्ती गांवों के अनुभव सुने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित विकसित गांव कार्यक्रम 2026 के प्रतिभागियों से संवाद किया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों के 245 से अधिक जिलों से जुड़े 5,000 से ज्यादा युवा स्वयंसेवियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को सीमावर्ती और दूरदराज के गांवों से जोड़ना तथा ग्रामीण विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना था।संवाद के दौरान कई युवा स्वयंसेवियों ने अपने अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किए। हिमालयी क्षेत्र के रिकांग पिओ और सीमावर्ती गांवों की यात्रा करने वाली निकिता सोलंकी ने बताया कि माई भारत मंच के माध्यम से उन्हें देश के दूरस्थ इलाकों तक पहुंचने और वहां के लोगों के बीच रहने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि गांव के लोगों ने उन्हें परिवार के सदस्य की तरह अपनाया और बेटी जैसा सम्मान दिया। उनके अनुसार, इस यात्रा ने उन्हें ग्रामीण भारत की संस्कृति, जीवनशैली और चुनौतियों को करीब से समझने का अवसर प्रदान किया।प्रधानमंत्री मोदी ने निकिता के अनुभवों की सराहना करते हुए कहा कि आज देश में सोलो ट्रैवलिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अकेले यात्रा करना केवल नए स्थानों को देखने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वयं को समझने और नए अनुभव प्राप्त करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि भले ही युवा इस यात्रा पर अकेले निकले हों, लेकिन माई भारत जैसे मंच ने उन्हें एक बड़े परिवार का हिस्सा बना दिया है। उन्होंने इसे देश की बेटियों के बढ़ते आत्मविश्वास और बदलते भारत की तस्वीर बताया।कार्यक्रम के दौरान दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव का प्रतिनिधित्व कर रहे स्वयंसेवी दिव्यांशु जोशी ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इस पहल ने उन्हें सीमावर्ती गांवों की संस्कृति, वहां की जीवनशैली और स्थानीय लोगों की समस्याओं को नजदीक से समझने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत यूथ लीडर्स डायलॉग, युवा संसद और मेंटरशिप कार्यक्रम जैसी पहलों के माध्यम से अब तक 2.3 करोड़ से अधिक युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का अवसर मिला है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब देश का युवा गांवों के विकास, सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्रीय एकता में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने अनुभवों को समाज के साथ साझा करें और ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने के अभियान में बढ़-चढ़कर योगदान दें। उन्होंने विश्वास जताया कि युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और सेवा भाव भारत के विकास को नई गति देंगे।

पेपर लीक आंदोलन के बाद CJP की नई रणनीति, पंजाब के मामलों पर भी होगी कार्रवाई

पेपर लीक आंदोलन के बाद अब कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने पंजाब में सामने आए कथित पेपर लीक मामलों पर भी सक्रिय होने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर भी जल्द रणनीति बनाई जाएगी। वहीं, केंद्र सरकार से बातचीत और छात्रों पर दर्ज मामलों को लेकर भी उन्होंने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा मुद्दा आंदोलन के दौरान छात्रों पर दर्ज किए गए मामलों का है। मीडिया से बातचीत के दौरान अभिजीत दीपके ने कहा कि आंदोलन अभी कल ही समाप्त हुआ है, इसलिए आगे की रणनीति तय करने के लिए थोड़ा समय चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य की योजना जल्द सार्वजनिक की जाएगी। पंजाब में कथित पेपर लीक के सवाल पर उन्होंने कहा, 'हम उस मुद्दे पर भी बात करेंगे। फिलहाल उसकी प्लानिंग चल रही है।' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस मामले में संगठन आगे किस तरह की कार्रवाई करेगा। अभिजीत दीपके ने बताया कि सरकार के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा मुद्दा आंदोलन के दौरान छात्रों पर दर्ज किए गए मामलों का है। उन्होंने कहा कि उनकी मांग है कि किसी भी छात्र के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं होना चाहिए और इसी विषय पर सरकार से चर्चा चल रही है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: मीराबाई चानू ने जीता गोल्ड,

भारत को दिलाया पहला स्वर्ण पदक

मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। उन्होंने विमेंस 48 kg वेटलिफ्टिंग कॉम्पटीशन में 190 kg (85 kg स्नैच + 105 kg क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड अपने नाम किया। भारत के अब 3 मेडल (1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज) हो गए हैं। इससे पहले रविवार को ऋषिकांत सिंह ने मेंस 60 kg में 264 kg (121+143) वजन उठाकर सिल्वर मेडल जीता था। वहीं, शुक्रवार को झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज दिलाकर भारत को पहला मेडल दिलाया था। भारत अब मेडल टैली में सातवें स्थान पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 24 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है। टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। स्नैच में 85 kg और क्लीन एंड जर्क में 105 kg उठाकर उन्होंने मेडल जीता। यह उनका लगातार तीसरा गोल्ड था। इससे पहले 2018 और 2022 में भी मीराबाई ने गोल्ड जीता था। 31 साल की मीराबाई ने स्नैच में 85k g वज़न उठाया, जो उस कैटेगरी में कॉमनवेल्थ गेम्स का रिकॉर्ड था। इसके बाद उन्होंने क्लीन एंड जर्क में 105kg वज़न उठाकर गेम्स का रिकॉर्ड बनाया और कुल मिलाकर 190kg वज़न उठाया। ऋषिकांत सिंह के पुरुषों की 60kg कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीतने के बाद, CWG 2026 में वेटलिफ्टिंग में भारत का यह दूसरा और कुल मिलाकर तीसरा मेडल था। सिल्वर मेडल नाइजीरिया की रुथ असुकुओ न्योंग और मलेशिया की आइरीन जेन हेनरी को मिला। गोल्ड मेडल की दावेदारों में से एक के तौर पर मुकाबले में उतरीं मीराबाई ने स्नैच कैटेगरी में 82kg के साथ शुरुआत की, लेकिन उनका पहला प्रयास असफल रहा। टोक्यो ओलंपिक्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली मीराबाई ने अपने दूसरे प्रयास में 82kg वज़न उठाया और फिर 85kg उठाकर गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया। क्लीन एंड जर्क कैटेगरी में मीराबाई ने देर से शुरुआत की। क्लीन एंड जर्क में अपने दूसरे प्रयास के बाद न्योंग के सिल्वर मेडल की स्थिति पक्की करने पर, मीराबाई ने अपने पहले प्रयास में 105k g वज़न उठाने का फैसला किया, लेकिन वह असफल रहीं। हालांकि, अपने दूसरे प्रयास में उन्होंने वही वज़न सफलतापूर्वक उठाकर गोल्ड मेडल पक्का कर लिया।

सिद्दारमैया का बड़ा ऐलान: 2028 का चुनाव नहीं लड़ेंगे

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने भविष्य की चुनावी राजनीति से दूरी बनाने की बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि वह 2028 का कर्नाटक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे और न ही इसके बाद किसी अन्य चुनाव में उम्मीदवार बनेंगे। अपने इस बड़े फैसले की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि आज के दौर में राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और इसमें ईमानदार राजनीति के लिए जगह दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए सिद्दारमैया ने लिखा, "आज राजनीति का क्षेत्र पूरी तरह से भ्रष्ट हो गया है। इसीलिए मैंने 2028 का विधानसभा चुनाव न लड़ने का फैसला लिया है। हालांकि, मैं सक्रिय राजनीति में बना रहूंगा और जनता के सुख-दुख की आवाज उठाता रहूंगा।" हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि चुनाव न लड़ने के बाद पार्टी संगठन में उनकी क्या भूमिका रहेगी। सिद्दारमैया ने बताया कि उनके वरुणा विधानसभा क्षेत्र के लोग उन पर फिर से चुनाव लड़ने का दबाव बना रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपना मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल बाकी है। तब तक उनकी उम्र 81-82 साल हो जाएगी और सेहत भी पहले जैसी नहीं रहेगी। अब पहले जैसी एनर्जी और जोश के साथ काम करना मुमकिन नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले चुनाव जनता के सहयोग से लड़े जाते थे, लेकिन अब माहौल पूरी तरह बदल चुका है।

NEET विवाद के बाद बड़ा कदम: पीएम मोदी ने परीक्षा सुधार के लिए नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में हाईपावर टास्क फोर्स बनाई

नीट पेपर लीक विवाद और देशभर में छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों के बाद केंद्र सरकार ने परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम इंस्टाग्राम पर जारी एक वीडियो संदेश में परीक्षा सुधार के लिए छह सदस्यीय हाईपावर टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की। इस समिति की अध्यक्षता इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी करेंगे।प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार केवल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और कई आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं।पीएम मोदी ने बताया कि सरकार ने परीक्षा संबंधी मामलों के त्वरित निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था की है। साथ ही संसद में एक ऐसा विधेयक भी लाया जा रहा है, जिसमें परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक जैसे मामलों के लिए कठोर दंड का प्रावधान होगा।प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि देश की परीक्षा प्रणाली को तकनीक आधारित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से नंदन नीलेकणी के नेतृत्व में गठित हाईपावर टास्क फोर्स परीक्षा सुधारों पर विस्तृत सुझाव देगी। समिति डिजिटल तकनीक के अधिक उपयोग, परीक्षा सुरक्षा, प्रश्नपत्र प्रबंधन और मूल्यांकन प्रक्रिया को आधुनिक बनाने जैसे विषयों पर काम करेगी।गौरतलब है कि पिछले चार दिनों में यह प्रधानमंत्री मोदी का छात्रों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर तीसरा वीडियो संदेश है। माना जा रहा है कि सरकार परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार लागू कर भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

PoK पर ही होगी बात,

पाकिस्तान को राजनाथ की साफ चेतावनी

स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को लेकर बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि यह अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग सभी देशों के लिए खुला है और नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।अमेरिका ने ईरान के नियंत्रण संबंधी दावों को खारिज करते हुए कहा कि उसकी नौसेना क्षेत्र में तैनात है और वैध समुद्री यातायात जारी रहेगा।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को लद्दाख के द्रास में आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर केंद्र सरकार का रुख एक बार फिर स्पष्ट किया। शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की ओर से पाकिस्तान के साथ यदि कोई बातचीत होगी तो वह केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मुद्दे पर ही होगी। उन्होंने कहा कि यह भारत का अभिन्न हिस्सा है, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। बता दें कि हर वर्ष 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1999 में भारतीय सेना ने कारगिल युद्ध में पाकिस्तान समर्थित घुसपैठियों को खदेड़ते हुए ऐतिहासिक विजय हासिल की थी। इस अवसर पर देशभर में शहीद सैनिकों के बलिदान को याद किया जाता है और उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। द्रास में अपने संबोधन के दौरान राजनाथ सिंह ने भारत और पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा कि आज भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक से जुड़े बड़े डेटा केंद्र स्थापित कर रहा है, जबकि पाकिस्तान कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वाले केंद्र तैयार करने में लगा हुआ है। उनके अनुसार यही दोनों देशों की सोच और विकास की दिशा का सबसे बड़ा अंतर है। रक्षा मंत्री ने हाल में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने दुनिया को साफ संदेश दिया है कि जो लोग आतंकवाद का समर्थन करेंगे या उसमें शामिल होंगे, उन्हें उसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा और संप्रभुता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। गौरतलब है कि राजनाथ सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि पहले भारतीय सेना के पास शक्ति या क्षमता की कमी थी। सेना पहले भी उतनी ही सक्षम थी, लेकिन उस समय राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी महसूस की जाती थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कोई कमी नहीं है और भविष्य में भी नहीं रहेगी। सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सेना को आवश्यक निर्णय लेने की पूरी स्वतंत्रता देती है। उन्होंने सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक भारतीय जवान सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं, तब तक कोई भी देश भारत की ओर बुरी नजर डालने का साहस नहीं कर सकता। उनके अनुसार अब वह दौर बीत चुका है जब नई दिल्ली में बैठी सरकारें सशस्त्र बलों को प्राथमिकता नहीं देती थीं। आज सरकार सुरक्षा से जुड़े मामलों में सेना के साथ मजबूती से खड़ी है। अपने संबोधन के अंत में रक्षा मंत्री ने कारगिल युद्ध के वीर अधिकारी कैप्टन विक्रम बत्रा को याद किया। उन्होंने उनके प्रसिद्ध नारे "ये दिल मांगे मोर" का उल्लेख करते हुए कहा कि यही भारतीय सैनिकों का जज्बा और स्वभाव है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया और भारत के पड़ोसी देश को भी भारतीय सैनिकों के साहस, संकल्प और देशभक्ति को समझना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय सेना हर चुनौती का मजबूती से सामना करने में हमेशा सक्षम रही है और आगे भी देश की सुरक्षा के लिए पूरी निष्ठा से डटी रहेगी।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक तेल टैंकर में हुआ विस्फोट

दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक तेल टैंकर में धमाका हुआ है। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहा एक तेल टैंकर नेवल माइन (पानी के नीचे बिछाई गई बारूदी सुरंग) से टकराने के बाद हुए धमाके का शिकार हो गया। यह धमाका तब हुआ जब टैंकर ने ईरानी अधिकारियों द्वारा तय किए गए आधिकारिक समुद्री रास्ते से अलग हटने की कोशिश की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने इस समुद्री रास्ते से गुजरने वाले जहाजों के लिए एक खास और सुरक्षित रास्ता तय किया है। जब टैंकर ने ईरानी प्रशासन द्वारा मंजूर किए गए रास्ते से बाहर निकलने की कोशिश की, तो वह पानी में बिछाई गई नेवल माइन से टकरा गया। इस टक्कर से जबरदस्त धमाका हुआ और जहाज में आग लग गई। हालांकि, ईरानी सरकारी अधिकारियों ने अभी तक इस घटना के बारे में कोई विस्तृत औपचारिक बयान जारी नहीं किया है। ईरानी मीडिया ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि टैंकर किस देश का है, उसका नाम क्या है या उस पर किस देश का झंडा लगा था। इसके अलावा, जहाज पर मौजूद कच्चे तेल की मात्रा, जहाज का डेस्टिनेशन या चालक दल के किसी सदस्य के हताहत होने के बारे में भी कोई पक्की जानकारी उपलब्ध नहीं है। ईरानी मीडिया के अनुसार, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने बार-बार चेतावनी दी थी कि अगर कोई कमर्शियल या समुद्री जहाज ईरान द्वारा घोषित आधिकारिक रास्तों से हटता है या सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करता है, तो उससे होने वाले किसी भी नतीजे या घटना के लिए जहाज खुद पूरी तरह जिम्मेदार होगा।

असम में आई बाढ़ से जनजीवन पर गहरा असर पड़ा पिछले 24 घंटे में 4 लोगों की मौत हुई

युवाओं ने पीएम मोदी को Gen-Z का मतलब बताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 (Viksit Vibrant Village Program) के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। Gen-Z के साथ संवाद के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश में सामूहिकता की परंपरा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विकसित गांव प्रोग्राम 2026 के प्रतिभागियों से जुड़े और देश के कोने-कोने से युवाओं से संवाद किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026' में हिस्सा लेने वालों से बातचीत करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आज का कार्यक्रम वाकई खास है। देशभर के लगभग 250 जिलों के युवा इस कार्यक्रम में शामिल हुए। मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूं। कुछ साल पहले हमने 'मेरा युवा भारत' (MY Bharat) प्लेटफ़ॉर्म शुरू किया था। आज देश भर के करोड़ों युवा इससे जुड़े हैं और MY Bharat के वॉलंटियर्स पूरे देश में सराहनीय काम कर रहे हैं।' पीएम मोदी ने कहा, 'विकसित भारत संवाद से लेकर वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम तक, आप सभी ने अपनी काबिलियत को शानदार ढंग से दिखाया है। विकसित भारत युवा लीडर्स संवाद के दौरान मैंने युवाओं के साथ एक विचार साझा किया था। वह विचार यह था: क्यों न युवा वर्चुअल माध्यमों से आगे बढ़कर जमीनी स्तर पर उतरें। भारत को जानने, उससे जुड़ने, भारत में जीवन का अनुभव करने और देश को सही मायने में समझने के लिए? गांवों में जाकर ही वहां विकास की अपार आकांक्षाओं का पता चलता है।'

साउथ-वेस्ट फ्रांस के जंगल में लगी भयानक आग

साउथ-वेस्ट फ्रांस के जंगल में लगी भयानक आग की वजह से बीते रविवार की रात करीब 55 हजार लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस प्रकार, सिर्फ एक इलाके में घर छोड़ने वालों की कुल संख्या 2 लाख 20 हजार के करीब हो गई है, क्योंकि ये आग वाइन के लिए मशहूर शहर बोर्डो के और नजदीक पहुंच गई है। Gironde के अधिकारियों ने, जहां बोर्डो शहर है, के दक्षिण-पश्चिम में मौजूद पांच और इलाकों के लोगों को रात में ही घर खाली करने का ऑर्डर दिया।Gironde के अधिकारियों ने, जहां बोर्डो शहर है, के दक्षिण-पश्चिम में मौजूद पांच और इलाकों के लोगों को रात में ही घर खाली करने का ऑर्डर दिया। अफसरों के बयान के अनुसार, रातभर चली तेज हवाओं ने इस आग को और भड़का दिया, जिससे सप्ताह के बीच से काबू से होकर जल रही आग और तेजी से फैलने लगी। इसके अलावा, बोर्डो से साउथ-वेस्ट की तरफ जाने वाले एक बड़े हाईवे को आंशिक रूप से बंद करने का भी ऑर्डर दिया गया। बोर्डो के मेयर ने कहा कि आग "अभी भी मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की सीमा पर है" और यह Bordeaux से सबसे करीब 15 किलोमीटर की दूरी तक पहुंच चुकी है। साउथ फ्रांस में Landes इलाके में लगी एक और आग के कारण से इस सप्ताह 30 हजार लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है, जिससे आग के कारण घर छोड़ने वाले लोगों की कुल संख्या ढाई लाख लोगों से अधिक हो गई है। इसके अलावा, फ्रांस के पड़ोसी देश स्पेन में, मैड्रिड के पश्चिम में लगी आग के कारण अफसरों ने इस सप्ताह 70 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। राहत और बचाव की टीमें लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई हैं।

अमेरिका ईरान युद्ध खाड़ी देशों से बढ़कर लाल सागर से लेकर कैस्पियन सागर तक फैल गया

अमेरिका-ईरान युद्ध का दायरा बढ़ गया है। यह जंग अब लाल सागर से कैस्पियन सागर तक पहुंच चुका है। पहले यह सिर्फ मध्य पूर्व के देशों तक सीमित था। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के किनारे स्थित सऊदी अरब के तेल संयंत्रों पर हमले किए हैं। वहीं, ईरान ने यूक्रेन पर कैस्पियन सागर में अपने एक जहाज पर हमला करने का आरोप लगाया है। युद्ध के दायरे में यह बदलाव तब हुआ है, जब करीब दो हफ्तों के बाद अमेरिका ने ईरान पर हमले रोक दिए हैं। अमेरिकी सेना ने शनिवार को कहा है कि ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी पूरी तरह लागू है। हालांकि, अमेरिकी सेना ने यह नहीं बताया है कि उसने लगातार 13 रातों से जारी हमले के सिलसिले को क्यों रोका है।इसके जवाब में ईरान ने भी खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले रोके हैं। शनिवार और रविवार को ईरान की ओर से पड़ोसी देशों पर हमले की कोई खबर नहीं है। इससे पहले ईरान ने लगभग हर दिन अपने पड़ोसी देशों पर जवाबी हमले किए हैं। हमले रोकने के बारे में पूछे जाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ट्रंप "हमेशा से साफ रहे हैं कि उनकी प्राथमिकता कूटनीति है, लेकिन उन्होंने ईरान को दिखा दिया है कि अगर वे गंभीरता से बातचीत की मेज पर नहीं आए तो क्या होगा।"न्यूयॉर्क टाइम्स' ने शनिवार को चर्चा की जानकारी रखने वाले दो लोगों के हवाले से बताया कि ट्रंप ने फिलहाल ईरान पर हमले बढ़ाने की योजना से पीछे हटने का फैसला किया है। अखबार के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप और उनके सलाहकारों को संघर्ष बढ़ने, हथियारों के भंडार खत्म होने, मध्य पूर्व की खाड़ी में सहयोगियों के दूर होने और ऊर्जा आपूर्ति व वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने की चिंता है।एक अमेरिकी अधिकारी ने CNN को बताया कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन, दोनों ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में बैठक के दौरान ट्रंप के सामने US के हथियारों के भंडार को लेकर चिंता जताई। रक्षा विभाग के एक सूत्र ने शनिवार को ब्रॉडकास्टर को बताया कि ऑपरेशन "फिलहाल रोक दिए गए हैं।" खाड़ी में शांति के बावजूद, शनिवार को ईरान के सहयोगी हूथी विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच हुई लड़ाई ने दिखाया कि यह युद्ध होर्मुज जलडमरूमध्य के अलावा एक और बड़े शिपिंग रूट को प्रभावित कर सकता है। इसे यमन के गृह युद्ध को फिर से भड़का सकता है और दुनिया में तेल सप्लाई पर संकट गहरा सकता है।

संपादक की कलम से

भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन के कार्यकाल की पहली बड़ी राजनीतिक परीक्षा बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव बन गए हैं। लोकतंत्र में उपचुनाव केवल रिक्त सीटों को भरने की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे राजनीतिक दलों की संगठनात्मक क्षमता, नेतृत्व की स्वीकार्यता और जनता के बीच उनके भरोसे की भी परीक्षा लेते हैं।दतिया में पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर नए चेहरे को मौका देने के फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया कि पार्टी नेतृत्व पीढ़ीगत बदलाव का संदेश देना चाहता है। हालांकि, किसी भी बड़े दल के लिए बदलाव की प्रक्रिया तभी सफल मानी जाती है, जब वह वरिष्ठ नेताओं के सम्मान और कार्यकर्ताओं की भावनाओं के बीच संतुलन बना सके। दतिया में सामने आई नाराजगी ने यही संकेत दिया कि संगठन के भीतर संवाद की कमी राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है।दूसरी ओर, बांकीपुर में उम्मीदवार बदलने का फैसला विपक्ष के लिए राजनीतिक मुद्दा बन गया है। चुनावी राजनीति में उम्मीदवार की विश्वसनीयता और पार्टी की निर्णय प्रक्रिया दोनों ही मतदाताओं को प्रभावित करती हैं। यदि किसी निर्णय को लेकर बार-बार स्पष्टीकरण देना पड़े, तो विपक्ष को हमले का अवसर मिल जाता है। ऐसे में चुनाव प्रचार केवल विकास और नीतियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि संगठनात्मक फैसले भी बहस का केंद्र बन जाते हैं।इन दोनों उपचुनावों का परिणाम केवल दो विधानसभा सीटों तक सीमित नहीं रहेगा। यह इस बात का भी संकेत देगा कि नया नेतृत्व संगठन को कितनी मजबूती से संभाल पा रहा है और कठिन परिस्थितियों में पार्टी कितनी प्रभावी रणनीति अपनाती है। साथ ही, विपक्ष के लिए भी यह अवसर है कि वह स्थानीय मुद्दों और उम्मीदवारों को लेकर जनता के बीच अपनी बात मजबूती से रखे।लोकतांत्रिक राजनीति में अंततः अंतिम फैसला मतदाता का होता है। राजनीतिक दलों के लिए सबसे बड़ा संदेश यही है कि उम्मीदवार चयन में पारदर्शिता, संगठन में संवाद और जनता के विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही किसी भी दल की स्थायी राजनीतिक सफलता की वास्तविक कसौटी है।

सिद्धारमैया का बड़ा ऐलान: 2028 विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, बोले- राजनीति में ईमानदारी की जगह खत्म हो गई

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 2028 विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है।उन्होंने उम्र, स्वास्थ्य और राजनीति में बढ़ते भ्रष्टाचार को इस निर्णय की मुख्य वजह बताया।हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि सक्रिय राजनीति से संन्यास नहीं लेंगे और जनता के मुद्दों के लिए आवाज उठाते रहेंगे।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने रविवार को एक बड़ा राजनीतिक ऐलान करते हुए कहा कि वे वर्ष 2028 में होने वाला कर्नाटक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने अपने इस फैसले के पीछे बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों और राजनीति में बढ़ते भ्रष्टाचार को प्रमुख कारण बताया। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे सक्रिय राजनीति से संन्यास नहीं ले रहे हैं और भविष्य में भी जनता के हितों से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर जारी एक भावुक संदेश में 79 वर्षीय सिद्धारमैया ने लिखा कि उनका सार्वजनिक जीवन जारी रहेगा, लेकिन अब वे चुनावी राजनीति से दूरी बनाएंगे। उन्होंने कहा, "आज राजनीति का स्वरूप काफी बदल चुका है। भ्रष्टाचार बढ़ गया है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह लगातार कम होती जा रही है। इसी कारण मैंने 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है।"सिद्धारमैया ने बताया कि उनके विधानसभा क्षेत्र वरुणा के लोग लगातार उनसे अगला चुनाव लड़ने की अपील कर रहे थे, लेकिन उन्होंने भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि जब मौजूदा सरकार का कार्यकाल समाप्त होगा, तब उनकी उम्र 81 से 82 वर्ष के बीच होगी। ऐसे में स्वास्थ्य पहले जैसा मजबूत नहीं रहेगा और वे पहले की तरह ऊर्जा के साथ जनता की सेवा नहीं कर पाएंगे।उन्होंने लिखा कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमता भी सीमित हो जाती है। इसलिए उन्होंने समय रहते चुनावी राजनीति से अलग होने का फैसला किया है। हालांकि उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनता की समस्याओं को उठाने और सामाजिक मुद्दों पर संघर्ष करने में कोई कमी नहीं आएगी।अपने करीब पांच दशक लंबे राजनीतिक जीवन को याद करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने वर्ष 1978 में तालुक बोर्ड के सदस्य के रूप में सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की थी। वर्ष 2028 तक उन्हें राजनीति में सक्रिय हुए 50 वर्ष पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस लंबे सफर में उन्होंने जीत और हार दोनों देखी हैं, लेकिन कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और हमेशा अपनी अंतरात्मा की आवाज के अनुसार काम किया।पूर्व मुख्यमंत्री ने चुनावी राजनीति के बदलते माहौल पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों पर धनबल का दबाव बढ़ गया है। उनके अनुसार, अब ऐसी स्थिति बन गई है कि चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को प्रभावित करने में पैसे की भूमिका बढ़ती जा रही है, जो लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है।गौरतलब है कि लंबे समय तक चले सत्ता हस्तांतरण के बाद सिद्धारमैया ने मई में मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया था और उनकी जगह डीके शिवकुमार ने कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। तभी से राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा थी कि सिद्धारमैया जल्द ही अपने भविष्य को लेकर कोई बड़ा फैसला कर सकते हैं। अब उनके इस ऐलान ने उन अटकलों पर विराम लगा दिया है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि चुनावी राजनीति से दूरी बनाने के बावजूद उनका जीवन आगे भी जनसेवा और जनता के हितों के लिए समर्पित रहेगा।

पेपर लीक को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक और नया वीडियो संदेश जारी किया

पेपर लीक को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक और नया वीडियो संदेश जारी किया है। पीएम ने कहा कि पेपर लीक पर कल (सोमवार) कठोर कानून लाएंगे। नंदन नीलेकणि के नेतृत्व में परीक्षा सुधारों पर एक सशक्त कार्य-दल का गठन किया गया है। पीएम मोदी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स पर ये वीडियो संदेश जारी किया गया है। पीएम ने ये वीडियो भी मोबाइल के सेल्फी कैमरे से रिकॉर्ड किया है।पीएम ने पेपर लीक के मुद्दे पर बोलते हुए पीएम ने कहा, 'फ्रेंड्स विद्यार्थियों के भविष्य के लिए भारत सरकार लगातार अनेक कदम उठा रही है। जिन लोगों ने विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। वे जेलों में सड़ रहे हैं।' पीएम ने कहा, 'हम फास्ट ट्रैक कोर्ट बना चुके हैं। हम कल पार्लियामेंट के अंदर भी कठोर कानूनों के प्रावधान के साथ नया कानून बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन हमें भविष्य के लिए सोचना है। हमारी परीक्षा पद्धति विश्वस्त हो। हमारी परीक्षा पद्धति ट्रांसपैरेंट हो। हमारी परीक्षा पद्धति में सबसे ज्यादा टेक्नोलॉजी का उपयोग हो।'पीएम मोदी ने आगे कहा, 'इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए विश्व प्रसिद्ध टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट नंदन नीलेकणि के नेतृत्व में एक हाई पावर टास्क फोर्स बनाने का निर्णय किया है। जो एग्जामिनेशन रिफॉर्म की तरफ फोकस करेगा। जल्द से जल्द आने वाली परीक्षाओं को सुनिश्चित करने का काम इसके रिपोर्ट के आधार पर कर दिया जाएगा।' बता दें कि छात्रों के मुद्दे और पेपर लीक को लेकर पीएम मोदी का ये सेल्फी कैमरे से बनाया गया, ये तीसरा वीडियो है। पहला वीडियो पीएम मोदी ने 23 जुलाई की देर रात को जारी किया था। इसके बाद पीएम मोदी ने 24 जुलाई की देर रात मोबाइल के सेल्फी कैमरे से रिकॉर्ड किए गए वीडियो को जारी किया था। वहीं, अब तीसरी बार धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने के बाद जारी किया गया है। इस वीडियो में पीएम मोदी ने खास तौर पेपर लीक पर बनाए जाने वाले कठोर कानून का जिक्र किया है।नंदन नीलेकणि भारत के जाने-माने उद्योगपति, टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ और इन्फोसिस (Infosys) के सह-संस्थापक एवं चेयरमैन हैं। नंदन नीलेकणि साल 2009 से 2014 तक UIDAI के चेयरमैन रहे और इसी दौरान आधार (Aadhar) प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। इन्हें 2006 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इन्होंने IIT बॉम्बे से पढ़ाई की है।

सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा केवल शिक्षा मंत्री बदलने से परीक्षा व्यवस्था नहीं सुधरेगी

नीट-यूजी 2026 परीक्षा विवाद के बीच धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने पर विपक्ष की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। माकपा (CPI-M) सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि केवल शिक्षा मंत्री बदल देने से परीक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं होगा। उन्होंने सरकार से पूरे परीक्षा तंत्र में व्यापक सुधार और जवाबदेही तय करने की मांग की।मीडिया से बातचीत में जॉन ब्रिटास ने कहा कि सरकार को केवल मंत्री बदलने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि दो साल पहले सरकार ने संसद में भरोसा दिलाया था कि परीक्षाओं में अनियमितताओं पर रोक लगाई जाएगी। इसी उद्देश्य से वर्ष 2024 में पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम भी पारित किया गया, लेकिन इसके बावजूद परीक्षा में गड़बड़ियां सामने आईं। ब्रिटास ने उच्च शिक्षा विभाग से जुड़े एक अधिकारी की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उच्च शिक्षा सचिव बनाए गए नरेश पाल गंगवार पहले 1.16 करोड़ रुपये के कथित घोटाले से जुड़े रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकारी सब्सिडी को व्यावसायिक फसलों के नाम पर अपने परिवार तक पहुंचाने का मामला उनसे जुड़ा था। हालांकि इस आरोप के संबंध में सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।सीपीआई(एम) सांसद ने कहा कि 36 दिनों तक चले छात्र आंदोलन के बाद सरकार को आखिरकार यह एहसास हुआ कि शीर्ष स्तर पर जवाबदेही तय करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वागत योग्य है, लेकिन केवल मंत्री बदलने से हालात नहीं सुधरेंगे। लोगों का भरोसा बहाल करने और परीक्षा प्रणाली में विश्वास कायम करने के लिए सरकार को कई और बड़े कदम उठाने होंगे।धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद रविवार को केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभाल लिया। उन्होंने सोशल मीडिया साइट 'X' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह इस जिम्मेदारी को विनम्रता और

कर्तव्यबोध के साथ स्वीकार करते हैं। प्रह्लाद जोशी फिलहाल उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। इससे पहले वह कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री रह चुके हैं।

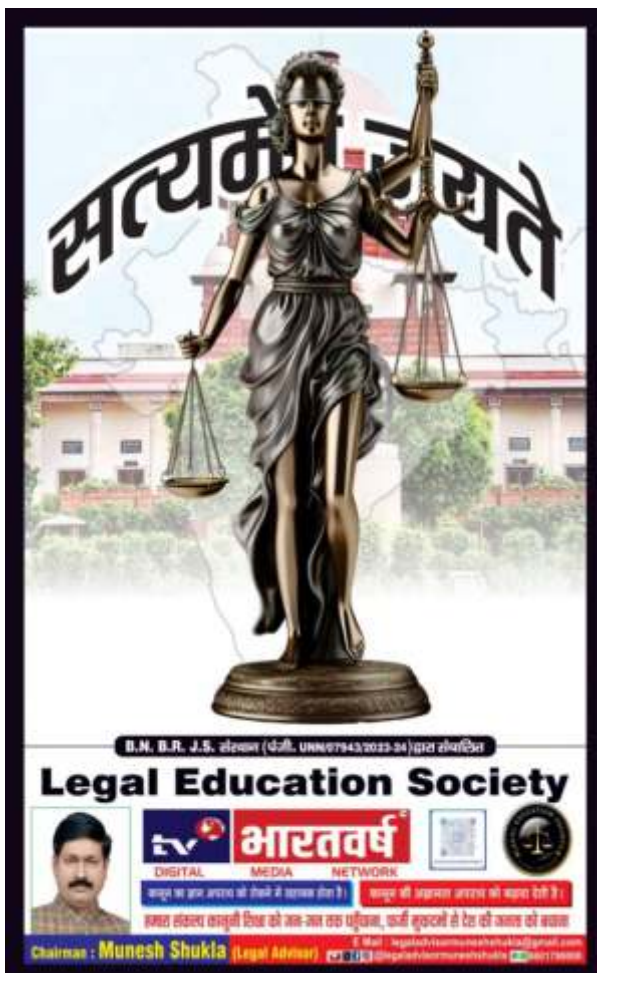

राउरकेला स्टील प्लांट में अप्रेंटिस भर्ती आवेदन प्रक्रिया शुरू

पढ़ाई पूरी होने के बाद एक अच्छी जॉब हर किसी का सपना होता है। लेकिन कई बार एक्सपीरियंस के बिना नौकरी पाने में काफी दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं। ऐसे उम्मीदवारों को अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के दौरान अनुभव के साथ पैसे कमाने और काम सीखने का अच्छा अवसर मिलता है। हाल ही में राउरकेला स्टील प्लांट ने 1100 से अधिक अप्रेंटिस की सीटों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आप भी यह एक साल का अप्रेंटिशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम जॉइन कर सकते हैं।

SAIL राउरकेला की यह अप्रेंटिसशिप इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मैकेनिस्ट, वेल्डर जैसे ट्रेड के साथ केमिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल, ऑटोमोबाइल, बीएससी नर्सिंग, बीए जैसे ग्रेजएट और टेक्नीशियन पदों के लिए है। जिसमें शामिल होने के लिए कैंडिडेट्स को NATS और www.apprenticeshipindia.gov.in पर अप्लाई करना होगा। चयन प्रक्रिया में कोई रिटन एग्जाम भी नहीं है।

SAIL अप्रेंटिस के लिए योग्यता

ट्रेड अप्रेंटिस: AOCP, COPA, डीजल मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, टूल एंड डाई मेकर, मैकेनिस्ट जैसे ट्रेड के लिए अभ्यर्थियों का 10वीं पास होना चाहिए। साथ में आईटीआई सर्टिफिकेट भी होना जरूरी है।

ग्रेजुएट/टेक्निकल अप्रेंटिस: कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल, ऑटोमोबाइल, इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, ईईई, बैचलर ऑफ आर्ट्स, बैचलर इन साइंस, बीएससी नर्सिंग, नर्सिंड डिप्लोमा आदि के लिए संबंधित क्षेत्र में डिग्री/डिप्लोमा मांगा गया है।

एज लिमिट: अभ्यर्थियों की उम्र 18 से कम और 28 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। एज लिमिट 31 अगस्त 2026 के मुताबिक मान्य होगी। अप्रेंटिसशिप के लिए अभ्यर्थियों का चयन शैक्षणिक योग्यता के आधार पर शॉर्टलिस्टिंग के जरिए किया जाएगा। इसमें 10वीं के 30 प्रतिशत और डिग्री/डिप्लोमा/आईटीआई के नंबरों का 70 प्रतिशत का वेटेज होगा।

वॉकइन के लिए शेड्यूल नीचे दिया गया है। जरूरी डॉक्यूमेंट्स

वॉकइन के समय अभ्यर्थियों को अपने ओरिजनल सर्टिफिकेट्स लेकर उपस्थित होना होगा। पूरी लिस्ट देखें-

ओरिजिनल इंस्टीट्यूशन लीविंग सर्टिफिकेट (स्वप्रमाणित)

10वीं की मार्कशीट (स्वप्रमाणित)

प्रोविजनल पास सर्टिफिकेट (स्व प्रमाणित)

एससी/एसटी/ओबीसी/पीएच सर्टिफिकेट (स्व प्रमाणित)

आधार कार्ड (स्वप्रमाणित)

पास बुक (स्वप्रमाणित)

मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट

अप्रेंटिसशिप रजिस्ट्रेशन कॉपी आवेदन के लिए किसी भी किसी भी वर्ग के अभ्यर्थियों को कोई भी एप्लिकेशन फीस नहीं देनी होगी। कैंडिडेट्स निशुल्क पोर्टल पर जाकर रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरा कर सकते हैं। शॉर्टलिस्टिंग और वॉक इन के बाद जो अभ्यर्थी अप्रेंटिसशिप के लिए चुने जाएंगे उन्हें ईमेल के जरिए जॉइनिंग की जानकारी मिलेगी। आवेदन या रिक्रूटमेंट प्रोसेस से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए अभ्यर्थी 8895501000 पर संपर्क कर सकते हैं।

जर्मनी में नौकरी से पहले ये समझना जरूरी

क्या आप जर्मनी में जॉब करना चाहते हैं? अगर आपका जवाब हां है, तो फिर आपको ये मालूम होना चाहिए कि यहां नौकरी के लिए किस तरह के वीजा की जरूरत होगी। दरअसल, जर्मनी उन लोगों को कई तरह के वर्क वीजा ऑप्शन देता है जो यूरोपियन यूनियन के देशों के नागरिक नहीं हैं, लेकिन उन्हें यहां नौकरी मिल गई है। ये वीजा विदेशी वर्कर को जर्मनी में रहने और काम करने की इजाजत देता है। जरूरी शर्तें पूरी करने पर आगे चलकर विदेशी वर्कर को जर्मनी में स्थायी रूप से रहने और नागरिकता पाने का मौका भी मिल सकता है। जो कोई भी यूरोपियन यूनियन, यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (EEA) या स्विट्जरलैंड का नागरिक नहीं है, उसे आम तौर पर जर्मनी में काम करने के लिए वीजा और रेजिडेंस परमिट की जरूरत होती है। यूरोपियन यूनियन के बाहर के ज्यादातर नागरिकों को देश में आने से पहले वर्क वीजा लेना जरूरी है। ज्यादातर आवेदकों को अपने वर्क वीजा के लिए आवेदन अपने देश में मौजूद जर्मन दूतावास या वाणिज्य दूतावास के जरिए करना होता है। कुछ जर्मन मिशन बायोमेट्रिक अप्वाइंटमेंट के लिए व्यक्तिगत रूप से जाने से पहले ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी देते हैं। जर्मनी पहुंचने के बाद, विदेशी कर्मचारियों को स्थानीय 'फॉरेनर्स ऑफिस' (जिसे Ausländerbehörde कहा जाता है) से रेजिडेंस परमिट के लिए अप्लाई करना होता है।

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कमाल की बल्लेबाजी की

अनाहत सिंह ने रचा इतिहास

जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई

भारतीय खेल जगत के लिए स्क्वैश से एक बड़ी और ऐतिहासिक खबर सामने आई है। देश की युवा खिलाड़ी अनाहत सिंह ने विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप का खिताब जीतकर नया इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। उनकी इस उपलब्धि को भारतीय स्क्वैश के लिए एक नए दौर की शुरुआत माना जा रहा है। फाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने दूसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की खिलाड़ी सालेम को सीधे तीन खेलों में 11-3, 11-7 और 11-9 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पूरे मुकाबले के दौरान अनाहत ने शुरुआत से अंत तक शानदार नियंत्रण बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई बड़ा मौका नहीं दिया। मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में छह मुकाबले खेले और इस दौरान केवल दो खेल गंवाए, जो उनके शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है। बता दें कि इससे पहले भारत की दिग्गज खिलाड़ी जोशना चिनप्पा वर्ष 2005 में विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप के फाइनल तक पहुंची थीं, लेकिन उपविजेता

रहीं। पिछले दो दशकों से यही भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। अब अनाहत सिंह ने न केवल उस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है, बल्कि पहली बार भारत को इस प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक भी दिलाया है। पीएम मोदी ने भी अनाहत सिंह को इस ऐतिहासिक सफलता पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि अनाहत की यह उपलब्धि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है और इससे युवाओं के बीच स्क्वैश खेल के प्रति रुचि और बढ़ेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह जीत आने वाले खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगी.

भारत ने पाकिस्तान को FIH यूथ हॉकी5s एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में चटाई धूल

मस्कट में 25 जुलाई को भारत और पाकिस्तान की सब-जूनियर पुरुष टीम के बीच FIH यूथ हॉकी5s एशियन चैंपियनशिप चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला गया, जिसमें पूरी तरह से भारतीय खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिला। टीम इंडिया ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तानी टीम को 3-1 के अंतर से मात देने के साथ खिताब को अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में भारत की तरफ से खेल के 13वें मिनट तक तीन गोल कर दिए गए थे, जिसके बाद पाकिस्तानी टीम इस मुकाबले में वापसी करने में कामयाब नहीं हो सकी। पाकिस्तान के खिलाफ इस फाइनल मैच में कप्तान केतन कुशवाहा, रोमित पाल और शाहरुख अली ने गोल किया। इस शानदार जीत के बाद भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम एलीट पूल टेबस पर टॉप में फिनिश करने में कामयाब रही।भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने इस मुकाबले से पहले भी पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में 7-3 के अंतर से मात दी थी। ऐसे में फाइनल मुकाबले से पहले उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ था। खिताबी मैच में भारत की तरफ से रोमित पाल ने पहले हाफ के 5वें मिनट में पहला गोल किया, इसके बाद कप्तान केतन कुशवाहा ने 12वें मिनट और शाहरुख अली ने 13वें मिनट में गोल करते हुए मुकाबले में 3-0 की बढ़त दिला दी। पाकिस्तान की तरफ से खेल के 16वें मिनट में मोहम्मद उस्मान ने गोल किया लेकिन उसके बाद उनको मुकाबले में गोल करने का मौका नहीं मिला। FIH यूथ हॉकी5s एशियन चैंपियनशिप के फाइनल मैच में पहुंचने के साथ भारत और पाकिस्तान दोनों ने एफआईएच यूथ हॉकी5s के वर्ल्ड कप के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली है।

वेटलिफ्टर ऋषिकंत सिंह ने 60 किग्रा कैटेगरी में जीता सिल्वर

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में खेले जा रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के मेन्स 60 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में भारतीय वेटलिफ्टर ऋषिकंत सिंह चनंबम ने कुल 264 किग्रा वजन उठाकर भारत के लिए सिल्वर मेडल जीता है। ऋषिकंत ने स्नैच कैटेगरी में अपने तीन प्रयासों में 116 किग्रा, 119 किग्रा और 121 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाया। क्लीन एंड जर्क कैटेगरी में उन्होंने पहले प्रयास में 143 किग्रा वजन उठाकर पोडियम पर जगह पक्की कर ली। मलेशिया के मोहम्मद अनिक कासदान ने इस इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। कासदान ने स्नैच में 121 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 152 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाया। इस तरह कुल 273 किग्रा वजन उठाकर उन्होंने गेम्स रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। केन्या के जोशुआ मबोया ने कुल 255 किग्रा वजन उठाकर ब्रॉन्ज़ मेडल अपने नाम किया।

ऋषिकांत सिंह ने शुरुआत 116 किलोग्राम से की। इसके बाद सफलतापूर्वक 119 किलोग्राम और अपने तीसरे प्रयास में 121 किलोग्राम वजन उठाया, जिससे वे 'स्नैच राउंड' में सबसे आगे रहे। अपने आखिरी स्नैच प्रयास में 121 किलोग्राम वजन उठाकर ऋषिकांत ने स्नैच में नया 'गेम्स रिकॉर्ड' बनाया। क्लीन एंड जर्क में भी अपनी लय बनाए रखते हुए, ऋषिकांत ने सफलतापूर्वक 143 किलोग्राम वजन उठाकर मेडल की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत की। उनका पहला प्रयास संयमित और तकनीकी रूप से बेहतरीन था, जिससे वे अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे रहे। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने अपने दूसरे प्रयास में 148 किलोग्राम वजन उठाने का फैसला किया, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सके, जिससे मोहम्मद अनिक को बढ़त बनाने का मौका मिल गया। मलेशियाई खिलाड़ी ने 149 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाकर इसका जवाब दिया।

इटली में पर्यटकों से करोड़ों ऐंठने वाले को मिली जेल

लुग्दी से बनाया 'हजारों साल पुराना' एम्फीथिएटर!

इटली में एक शख्स ने ऐसा कारनामा किया कि कई साल तक लोग उसे सच मानते रहे. उसने खुद नकली रोमन एम्फीथिएटर (खुले मैदान वाला प्राचीन थिएटर) जैसा ढांचा तैयार किया और उसे हजारों साल पुराना ऐतिहासिक स्थल बताकर पर्यटकों से मोटी रकम वसूलता रहा. आखिरकार जांच हुई तो पूरा खेल सामने आ गया और अब उसे जेल की सजा सुनाई गई है. द मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला इटली के विचेंजा शहर के पास का है. 69 साल फ्रेंको मालोसो 'वॉन रोजेनफ्रांज' नाम के शख्स ने दावा किया था कि उसने दुनिया का सबसे पुराना खुला रोमन एम्फीथिएटर खोज निकाला है. ⊙

CJP आंदोलन में जेन-Z का अनोखा विरोध

दुल्हन के जोड़े में जंतर-मंतर पहुंची छात्रा

दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के आंदोलन ने विरोध प्रदर्शन का एक नया चेहरा दिखाया है. यहां सिर्फ नारे और पोस्टर ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया के जरिए अपनी बात रखने का अलग अंदाज भी देखने को मिल रहा है. Gen Z की यह पीढ़ी सड़क पर प्रदर्शन करने के साथ-साथ इंस्टा रील और वायरल वीडियो के जरिए भी अपनी आवाज लाखों लोगों तक पहुंचा रही है. पिछले कुछ दिनों में जंतर-मंतर से कई ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिनमें प्रदर्शनकारी अपने संदेश को रचनात्मक तरीके से पेश करते नजर आए. कहीं मजेदार पोस्टर चर्चा में रहे, तो कहीं रील्स के जरिए

सरकार तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिश की गई. इन्हीं वीडियो में एक क्लिप सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रही है. इस वायरल वीडियो में एक छात्रा दुल्हन के लिबास में जंतर-मंतर पहुंची दिखाई देती है. लाल जोड़ा, शादी का श्रृंगार और हाथ में विरोध का संदेश... यह दृश्य वहां मौजूद लोगों के साथ-साथ सोशल मीडिया यूजर्स का भी ध्यान खींच रहा है. जब छात्रा से पूछा गया कि वह दुल्हन के लिबास में प्रदर्शन करने क्यों आई है, तो उसने कहा कि यह सिर्फ एक पोशाक नहीं, बल्कि उसकी पीड़ा का प्रतीक है. छात्रा का कहना है कि बार-बार पेपर लीक और परीक्षा से जुड़े विवादों ने युवाओं का भविष्य अनिश्चित बना दिया है. ⊙

साइकिलिंग ड्रेस पहनने पर तुर्किये में गवर्नर बर्खास्त

सिर्फ कपड़ों की वजह से चली गई नौकरी

तुर्किये के अर्दाहान प्रांत के मेहमत फातिह सिसकली को साइकिलिंग कार्यक्रम के दौरान टाइट साइकिलिंग शॉर्ट्स पहनना भारी पड़ गया. उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद बढ़ गया और उन्हें पद से हटा दिया गया.

क्या कोई सरकारी अधिकारी सिर्फ अपने कपड़ों की वजह से नौकरी गंवा सकता है? तुर्किये में ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां एक गवर्नर ने साइकिलिंग कार्यक्रम में प्रोफेशनल खिलाड़ियों जैसी ड्रेस पहन ली.

तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं और देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि उन्हें पद से हटा दिया गया. अब हजारों लोग उनके समर्थन में उतर आए हैं और उन्हें दोबारा गवर्नर बनाने की मांग कर रहे हैं. यह घटना तुर्किये के पूर्वी हिस्से में स्थित अर्दाहान प्रांत की है. यहां के गवर्नर मेहमेत फातिह सिसकली खेल-कूद और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते थे. उन्हें साइकिल चलाने का काफी शौक है और वह अक्सर लोगों को भी फिट रहने के लिए प्रेरित करते थे. कुछ दिन पहले अर्दाहान में एक सार्वजनिक साइकिलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया. गवर्नर भी इसमें शामिल हुए. उन्होंने वही ड्रेस पहनी, जो आमतौर पर प्रोफेशनल साइकिल चालक पहनते हैं. यानी टाइट साइकिलिंग पैंट्स और स्पोर्ट्स जर्सी. कार्यक्रम खत्म होने के बाद उन्होंने अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर दीं. बस यहीं से विवाद शुरू हो गया. तस्वीरें वायरल होते ही कुछ नेताओं ने उनके पहनावे पर सवाल उठाने शुरू कर दिए. ⊙

विदाई का भावुक वीडियो भी हुआ वायरल

जब मेहमेत फातिह सिसकली अर्दाहान छोड़कर जा रहे थे, तब बड़ी संख्या में स्थानीय साइकिल चालक उनके वाहन के साथ साइकिल चलाते हुए उन्हें विदा करने पहुंचे. यह नजारा देखने लायक था. इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया. विदाई के दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि उन्होंने हमेशा ईमानदारी से काम किया और लोगों का भरोसा जीता.

लोग वॉलेट को एल्यूमिनियम फॉयल में क्यों लपेट रहे हैं?

अगर आपने हाल ही में सोशल मीडिया स्क्रॉल किया है, तो हो सकता है कि आपने लोगों को अपने वॉलेट को एल्यूमिनियम फॉयल में लपेटते देखा हो. दावा किया जा रहा है कि ऐसा करने से बैंक कार्ड और अन्य RFID कार्ड की जानकारी चोरी होने का खतरा कम हो जाता है. यह ट्रेंड तेजी से वायरल हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सच में काम करता है? आज के समय में वॉलेट सिर्फ पैसे रखने की जगह नहीं रह गया है. ⊙

राशा थडानी की अगली फिल्म पर टिकी उम्मीदें, 'लाइकी लाइका' में आएंगी नजर

महेश बाबू ने एक पोस्ट शेयर करते हुए भतीजे जया कृष्णा घट्टामनेनी और राशा थडानी के तेलुगु डेब्यू पर खुशी जाहिर की है। जया कृष्णा और राशा थडानी 'श्रीनिवास मंगपुरम' के साथ तेलुगु फ़िल्मों में डेब्यू करने की तैयारी कर रहे हैं, जिस पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए महेश बाबू ने एक पोस्ट शेयर किया है।रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी बॉलीवुड डेब्यू के बाद अब साउथ सिनेमा का रुख कर चुकी हैं। राशा थडानी साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के भतीजे जया कृष्णा घट्टामनेनी के साथ तेलुगु डेब्यू कर रही हैं। अजय भूपति के निर्देशन में बनी ये फिल्म गुरुवार, 30 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है, जिसे लेकर महेश बाबू काफी उत्साहित हैं। ये जया कृष्णा की डेब्यू फिल्म है, जिस पर महेश बाबू ने खुशी जाहिर की है और जया कृष्णा को उनकी आने वाली फिल्म के लिए शुभकामनाएं दी हैं। महेश बाबू ने X (पहले ट्विटर) पर एक वीडियो मैसेज शेयर करते हुए राशा थडानी के साथ अपने भतीजे जया कृष्णा के डेब्यू पर खुशी जाहिर की।महेश बाबू ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहते हैं, 'नमस्कार। मेरा भतीजा, जय कृष्णा, 'श्रीनिवास मंगपुरम' से अपना डेब्यू कर रहा है। पूरा परिवार उसकी नई पारी को लेकर बहुत खुश है। असल में, हम सभी बहुत उत्साहित हैं। हमने टीजर, गाने और ट्रेलर देखे हैं। लीड जोड़ी, जय कृष्णा और राशा, बहुत अच्छी लग रही है। वे बहुत होनहार लग रहे हैं। डायरेक्टर अजय भूपति और म्यूजिक कंपोजर जी.वी. प्रकाश ने अपना काम बहुत अच्छे से किया है। उन दोनों को इतने अच्छे ढंग से पेश किए जाने का श्रेय डायरेक्टर अजय भूपति को जाना चाहिए।'अपने पोस्ट में आगे महेश बाबू ने फिल्म के टेक्नीशियंस की भी तारीफ की। उन्होंने लिखा- 'मुझे लगता है कि फिल्म के टेक्नीशियनों ने बहुत कड़ी मेहनत की है और इस फिल्म की रीढ़ म्यूजिक डायरेक्टर जी.वी. प्रकाश हैं। इसका म्यूज़िक पहले ही हिट हो चुका है। इस फिल्म का मेरा पसंदीदा गाना 'अलेले' है। मुझे वह गाना बहुत पसंद आया। यह फिल्म 30 जुलाई को रिलीज हो रही है। राशा और जया कृष्णा के डेब्यू से बहुत खुश हूं। मैं पूरी टीम को 30 जुलाई के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।' बता दें, राशा थडानी ने नवंबर 2025 में एक पोस्ट के जरिए अपने तेलुगु डेब्यू का ऐलान किया था। एक पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने सुपरस्टार महेश बाबू के भतीजे जया कृष्ण घट्टामनेनी के साथ अपनी तीसरी फिल्म, श्रीनिवास मंगापुरम की घोषणा की। उन्होंने लिखा, 'नई शुरुआत, अंतहीन आभार! मी एंडरी प्रेमा, मैं तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हूं। इस अवसर के लिए @dirajaybhuppati सर को धन्यवाद। चाला इस यात्रा को शुरू करने के लिए उत्साहित हैं!' बता दें, राशा थडानी ने अभिषेक कपूर की फिल्म 'आजाद' से एक्टिंग में डेब्यू किया है। इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन और उनके भतीजे अमन देवगन मुख्य भूमिका में नजर आए थे, लेकिन ये बॉक्स ऑफिस पर पिट गई। राशा, सौरभ गुप्ता के निर्देशन में बनी बॉलीवुड रोमांटिक ड्रामा 'लाइकी लाइका' का भी हिस्सा हैं। इस फिल्म में अभय वर्मा भी मुख्य भूमिका में हैं।

लखनऊ में व्यापारी के घर हथियारबंद बदमाशों का धावा, परिवार पर जानलेवा हमला

लखनऊ के इंदिरा नगर में देर रात हथियारबंद बदमाश व्यापारी उमेश चंद्र के घर में घुस गए। विरोध करने पर व्यापारी, उनकी पत्नी और बेटी पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लखनऊ के इंदिरा नगर में शुक्रवार-शनिवार की बीच रात करीब 2 बजे बदमाशों ने एक व्यापारी के घर जमकर उत्पात मचाया। व्यापारी, उसकी पत्नी और बेटी को जमकर पीटा भी। इतना मारा कि तीनों के सिर फट गए। व्यापारी के सिर पर 18 टांके लगाने पड़े, उनकी हालत गंभीर है। पीड़ितों के अनुसार, हथियारबंद बदमाश घर में पहले से छिपे थे। रात में लॉकर तोड़ना शुरू किया तो आवाज सुनकर परिवार के लोगों की नींद खुल गई। घर के सभी सदस्यों ने शोर मचाया तो बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में परिवार के 3 सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना अमराई गांव की है। व्यापारी उमेश चंद्र के घर में यह वारदात हुई। उनके बेटे दीपक ने आरोप लगाया कि वारदात के बाद डायल-112 को सूचना दी गई लेकिन पुलिस आधे घंटे बाद पहुंची। सभी गंभीर घायलों को सरकारी अस्पताल के बजाय निजी अस्पताल में इलाज के लिए भेज दिया। उमेश चंद्र (55) घर में ही परचून की दुकान चलाते हैं। अमराई गांव के बजरंग चौराहे पर वह पिछले 3 साल से पत्नी शांति देवी, बेटी सीमा और बेटे दीपक के साथ रह रहे हैं। शुक्रवार रात सभी लोग खाना खाकर सो गए। अचानक तोड़फोड़ की आवाज आने लगी। सबसे पहले बेटी सीमा की आंख खुली। वह जिस कमरे से तोड़फोड़ की आवाज आ रही थी, उधर देखने गई। उसी समय बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया। बेटी की चीख सुनकर पिता दौड़ते हुए पहुंचे। तभी घात लगाए बैठे एक बदमाश ने पीछे से उनके सिर पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ कई वार किए। वह भी लहूलुहान होकर जमीन पर गिरे और बेहोश हो गए। पत्नी शांति देवी की भी आंख खुल चुकी थी। उन्होंने शोर मचाने की कोशिश की तभी एक बदमाश ने उन पर भी हमला कर दिया। वह भी गश खाकर गिर गईं। करीब 10 मिनट बाद पत्नी शांति को हल्का होश आया तो उन्होंने घर से बाहर निकलकर शोर मचाना शुरू किया। तब मोहल्लेवाले जागे और इकट्ठा हो गए। घटना की सूचना पड़ोसियों ने रहीमनगर में रह रहे व्यापारी के बेटे दीपक गुप्ता और पुलिस को सूचना दी। दीपक ने बताया कि सूचना के करीब आधे घंटे बाद पुलिस पहुंची। इसके बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद सभी लोग अस्पताल में हैं। लूट कितने की हुई, इसका अभी अंदाजा नहीं है। बजरंग चौराहे से 100 मीटर आगे ऑन रोड पर घर है। ऐसे घर में भी बदमाशों ने वारदात की। पुलिस गश्ती नहीं हो रही थी। पुलिस जब पहुंची भी तो खुद ही सिपाहियों ने कागज में सब नोट किया। बाद में न कोई फॉरेंसिक टीम आई और न ही डॉग स्क्वॉयड। उच्च अधिकारियों तक को इस वारदात की जानकारी नहीं दी गई। मामले में पीड़ित परिवार का कहना है घर में कितने लोग घुसे थे, इसकी जानकारी नहीं है। बदमाश ताबड़तोड़ हमला कर रहे थे इसलिए उनकी गिनती नहीं कर पाए। हालांकि, जब उमेश की पत्नी शांति देवी को होश आया तो उन्होंने पीछे के रास्ते दो बदमाशों को भागते देखा। लेकिन, वह मेन दरवाजे से बाहर की तरफ मदद के लिए भागीं और शोर मचाया।

लखनऊ में जेल रोड पर पलटा ट्रक

लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र स्थित जेल रोड (होमगार्ड चौराहा) पर रविवार सुबह एक ट्रक पलट गया। हादसे में चालक ट्रक के स्टेयरिंग और डैशबोर्ड के बीच बुरी तरह फंस गया। सूचना मिलते ही फायर सर्विस और NDRF की टीम मौके पर पहुंची और संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। सुबह करीब 6:15 बजे फायर स्टेशन आलमबाग को हादसे की सूचना मिली। इसके बाद एक फायर टैंकर, एक रेस्क्यू वैन और हजरतगंज फायर स्टेशन से MDRV वाहन मौके पर भेजा गया। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि UP-53 LT-5311 नंबर का ट्रक पलट गया है और चालक का पैर स्टेयरिंग व डैशबोर्ड के बीच फंस गया है। फायर सर्विस की टीम ने तुरंत रेस्क्यू शुरू किया। इसी दौरान NDRF की टीम भी मौके पर पहुंच गई। दोनों टीमों के संयुक्त प्रयास से चालक सर्वेश पाल, निवासी बंथरा (लखनऊ), को सुरक्षित बाहर निकालकर एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। समय रहते किए गए रेस्क्यू के चलते चालक की जान बच गई। हादसे के कारण कुछ देर तक इलाके में अफरातफरी और यातायात प्रभावित रहा।

लखनऊ में सपा का शक्ति प्रदर्शन, होर्डिंग लगाकर छात्रों का जताया आभार

लखनऊ में रविवार को सपा कार्यालय के बाहर होर्डिंग लगाकर इसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों की जीत बताई गई। होर्डिंग के जरिये आंदोलन को सफल बनाने में योगदान देने वाले छात्रों, कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और आम जनता के प्रति आभार व्यक्त किया गया है। इन पोस्टरों को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया है। होर्डिंग में छात्र आंदोलन को जनता और समाजवादी कार्यकर्ताओं की सामूहिक जीत बताया गया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और सांसद डिंपल यादव के नेतृत्व और सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद प्रकट किया गया है। पोस्टर में कहा गया है कि आंदोलन की सफलता सभी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और आम लोगों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। पोस्टर में आंदोलन के दौरान दिन-रात मेहनत करने वाले पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के समर्पण की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया गया है। साथ ही यह संदेश भी दिया गया है कि जनता के अधिकारों और न्याय की लड़ाई में समाजवादी पार्टी आगे भी पूरी मजबूती से संघर्ष करती रहेगी। होर्डिंग में भविष्य में भी जनहित और सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर लगातार काम करने का संकल्प दोहराया गया है। इसे लोकतांत्रिक संघर्ष की सफलता बताते हुए जनता के सहयोग को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया है। होर्डिंग समाजवादी पार्टी के नेता हल्लूराम सुंदर यादव की ओर से लगवाई गई है।

महिला कॉन्स्टेबल का आरोप: पति ने बेटी को बंधक बनाकर दी जान से मारने की धमकी

लखनऊ के तालकटोरा में रहने वाली उत्तर प्रदेश पुलिस की एक महिला कॉन्स्टेबल ने अपने पति पर मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न, जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। कॉन्स्टेबल का आरोप है कि पति ने चार साल की बेटी को अपने पास रख लिया, जिसे वापस नहीं कर रहा है। पीड़िता ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। महिला कॉन्स्टेबल ने शिकायत में बताया कि उनकी शादी झांसी निवासी राजेंद्र कुमार से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से पति लगातार उन्हें प्रताड़ित करता रहा। वह अभद्र भाषा का प्रयोग करता है, नौकरी छुड़वाने और पूरे विभाग में बदनाम करने की धमकी देता है। जब भी वह लखनऊ आता है, उनके साथ मारपीट करता है। इसकी शिकायत उन्होंने पहले डायल-112 पर भी की थी। पीड़िता का आरोप है कि पति ने उनका मोबाइल नंबर हैक कर रखा है। उनकी निजी जानकारी हासिल कर परिचितों को फोन कर अभद्र व्यवहार करता है। साथ ही कुछ लोगों को उनके पीछे लगा रखा है, जिससे वह लगातार भय और मानसिक तनाव में रह रही हैं। उनका कहना है कि वह बच्चों के स्कूल तक नहीं जा पा रही हैं और केवल वर्दी में रहने पर ही खुद को सुरक्षित महसूस करती हैं। शिकायत के अनुसार, 3 अप्रैल 2026 को जब वह झांसी गई थीं, तभी पति उनकी चार साल की बेटी को अपने साथ ले गया और तब से उसे वापस नहीं कर रहा है। आरोप है कि बेटी को लेने आने पर पति ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी है।

विकासनगर में शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी आग

लखनऊ के विकासनगर सेक्टर-6 में रविवार को सुबह 8:30 बजे एक मकान में अचानक आग लग गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, शॉर्ट सर्किट के कारण पहली मंजिल पर बने स्टोर रूम में आग शुरू हुई। खिड़कियों से आग की लपटें निकलने लगीं। देखते ही देखते धुआं पूरे मकान में फैल गया। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को दी। जब तक दमकल की टीम पहुंची, तब तक आसपास के लोग अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास करते रहे। सूचना मिलते ही दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। यह घटना शहनाई गेस्ट हाउस के पास स्थित घर में हुई। घर वर्षा नाम की महिला का है। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। आग लगने से स्टोर रूम में रखे सामान जल गए।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर लखनऊ में जश्न, युवाओं ने बांटी मिठाई और फाड़े विरोधी पोस्टर

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर के बाद राजधानी लखनऊ में युवाओं और विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। इको गार्डन में प्रदर्शन कर रहे हजारों युवाओं ने इस्तीफे को अपने आंदोलन की पहली बड़ी जीत बताया। प्रदर्शनकारियों ने मिठाई बांटकर खुशी जताई और शिक्षा मंत्री के खिलाफ लगाए गए पोस्टर-बैनर फाड़ दिए।इको गार्डन में युवाओं का प्रदर्शन नगीना सांसद चंद्रशेखर की अगुवाई में आयोजित किया गया था। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर दोपहर करीब एक बजे से ही धरना स्थल पर जुटने लगे थे। युवाओं ने अपने हाथों में विभिन्न नारों वाले पोस्टर और बैनर ले रखे थे, जिनमें शिक्षा व्यवस्था और सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर की गई थी। प्रदर्शन के दौरान जैसे ही धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की सूचना मिली, वहां मौजूद युवाओं में उत्साह का माहौल बन गया। कई प्रदर्शनकारियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और मेलोडी टॉफी बांटकर खुशी मनाई। युवाओं ने कहा कि यह उनके संघर्ष और आंदोलन का परिणाम है। एक महिला प्रदर्शनकारी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह इस फैसले से इतनी खुश हैं, जितनी होली और दिवाली पर भी नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि घर जाकर इस खुशी को परिवार के साथ साझा करेंगी और दावत भी होगी। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए नगीना सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि यह आंदोलन की पहली मांग थी, जो पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि केवल शिक्षा मंत्री का इस्तीफा पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षा नीति में बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं को भरोसा दिलाया कि आंदोलन को कमजोर नहीं पड़ने दिया जाएगा और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रहेगा।चंद्रशेखर ने कहा कि छात्रों के हितों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए व्यापक स्तर पर बदलाव जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज को लगातार उठाया जाएगा और उनकी मांगों को मजबूती से रखा जाएगा।वहीं, दूसरी ओर लखनऊ स्थित कांग्रेस मुख्यालय में भी शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कार्यकर्ताओं के साथ लड्डू बांटकर जश्न मनाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने भी छात्रों के समर्थन में आंदोलन किया था और छात्रों की आवाज को मजबूती से उठाया था।शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर राजधानी में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विपक्षी दल इसे छात्रों और युवाओं के संघर्ष की जीत बता रहे हैं, जबकि आगे की मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखने की बात भी कही जा रही है।

उन्नाव में बारिश के बीच धंसी हाईटेक एक्सप्रेसवे सड़क, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

उन्नाव में लखनऊ-कानपुर ग्रीनफील्ड नेशनल एलिवेटेड एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा लोकार्पण के महज 12 दिन बाद ही धंसने का मामला सामने आया है। उन्नाव जिले के कोरारी क्षेत्र में कानपुर से लखनऊ जाने वाली लेन पर लगातार बारिश के बीच सड़क का हिस्सा धंसने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना के बाद एक्सप्रेसवे के निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सूचना मिलते ही निर्माण एजेंसी की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत शुरू करा दी। घटना उन्नाव के कोरारी क्षेत्र में किलोमीटर-64 के पास हुई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सड़क का एक हिस्सा धंसा हुआ दिखाई दे रहा है। दावा किया जा रहा है कि करीब 5 से 7 मीटर सड़क क्षतिग्रस्त हुई है। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। समाजवादी पार्टी के नेता मधुसूदन यादव ने घटनास्थल का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सरकार पर सवाल उठाए। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने करोड़ों रुपये की लागत से बने इस हाईटेक एक्सप्रेसवे के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए। घटना की जानकारी मिलते ही निर्माण एजेंसी के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। प्रभावित हिस्से की तत्काल मरम्मत शुरू कराई गई ताकि यातायात प्रभावित न हो। एजेंसी ने सड़क को जल्द से जल्द दुरुस्त कर यातायात सामान्य बनाए रखने का प्रयास किया। 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर ग्रीनफील्ड नेशनल एलिवेटेड एक्सप्रेसवे का लोकार्पण 13 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने किया था। इस परियोजना का उद्देश्य लखनऊ और कानपुर के बीच यात्रा समय कम करना और यातायात को अधिक सुगम बनाना है। लोकार्पण के कुछ ही दिनों बाद सड़क धंसने की घटना ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पहली ही बारिश में सड़क इस तरह क्षतिग्रस्त हो रही है तो भविष्य में इसकी स्थिति और खराब हो सकती है। सोशल मीडिया पर भी निर्माण की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने की मांग उठ रही है। निर्माण एजेंसी की ओर से अभी तक सड़क धंसने के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। यह स्पष्ट नहीं है कि सड़क तकनीकी खामी के कारण धंसी या लगातार बारिश से मिट्टी के कटाव की वजह से यह स्थिति बनी। प्रशासन और संबंधित विभाग की जांच के बाद ही वास्तविक कारण सामने आएंगे। फिलहाल एजेंसी ने मरम्मत कार्य पूरा कर यातायात सामान्य बनाए रखने का दावा किया है।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार मजदूर की मौत

उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक सड़क हादसे में साइकिल सवार मजदूर की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर एंबुलेंस उसे जिला अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 45 वर्षीय छेदी लाल के रूप में हुई है। वह मूल रूप से अचलगंज थाना क्षेत्र के बंथर में देशराज के मकान में किराए पर रहता था और नरी के आगे स्थित मॉडल कंपनी में कार्यरत था। जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर करीब दो बजे छेदी लाल कंपनी से लंच करने के लिए साइकिल से अपने कमरे की ओर जा रहा था। पहाड़पुर गहरा गांव के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस घायल छेदी लाल को जिला अस्पताल लेकर पहुंची, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर अचलगंज थाना पुलिस भी जिला अस्पताल पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना करने वाले ट्रक और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। मामले की जांच सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर की जा रही है। थानाध्यक्ष सुब्रत नारायण ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि गहरा के आसपास सड़क पर भारी वाहनों का दबाव अधिक रहता है, जिससे अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों ने क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की है।

उन्नाव में कांग्रेस का विजय मार्च, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को बताया छात्रों की जीत

उन्नाव में नगर कांग्रेस कमेटी गंगाघाट ने रविवार दोपहर कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को छात्रों की जीत बताते हुए एक विजय जुलूस भी निकाला गया। यह जुलूस आनंद घाट स्थित शहीद स्मारक से शुरू होकर गांधी चौक और मिश्रा कॉलोनी तक पहुंचा। कार्यक्रम की शुरुआत आनंद घाट स्थित शहीद स्मारक पर कारगिल युद्ध के शहीदों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों को नमन किया। इसके बाद नगर अध्यक्ष मयंक बाजपेयी के नेतृत्व में विजय जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। जुलूस के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और हाल ही में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को छात्रों एवं विपक्ष की जीत बताया। नगर अध्यक्ष मयंक बाजपेयी ने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा देश के युवाओं और विपक्ष के संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष के आंदोलन और राहुल गांधी के धरने के बाद सरकार को अपना रुख बदलना पड़ा। बाजपेयी ने प्रधानमंत्री से छात्रों के साथ हुए कथित अन्याय के लिए देश से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने गृह मंत्री से भी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने को कहा। मयंक बाजपेयी ने यह जीत उन छात्र-छात्राओं को समर्पित की, जिन्होंने पेपर लीक जैसी घटनाओं से निराश होकर अपनी जान गंवाई। उन्होंने ऐसे परिवारों को आर्थिक सहायता देने की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि जनता जब लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलित होती है तो सत्ता का अहंकार टूट जाता है। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि देश का युवा अब जागरूक हो चुका है और आने वाले समय में जनता लोकतांत्रिक तरीके से अपना फैसला सुनाएगी। इस कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष मयंक बाजपेयी के अलावा दूधनाथ वर्मा, बाबूलाल गुप्ता, निर्मल बाजपेयी, महेश मिश्रा, तन्मय श्रीवास्तव, विश्वनाथ दास, संजय बाजपेयी, पंकज सिंह, संजय सिंह और इकबाल अवस्थी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अधिकारियों की लापरवाही पर विधायक का एक्शन, ठेकेदार समेत कई जिम्मेदार हटाए गए

उन्नाव के मोहान विधानसभा क्षेत्र में अधूरे पुल निर्माण कार्य को लेकर भाजपा विधायक बृजेश रावत ने सख्त रुख अपनाया। इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी की पूर्व प्रत्याशी आँचल वर्मा द्वारा किए गए प्रदर्शन के बाद, विधायक ने पक्षी विहार में एक प्रेस वार्ता आयोजित की। प्रेस वार्ता के दौरान, विधायक रावत ने लोक सेतु निगम के जूनियर इंजीनियर (जेई) को निर्माण में देरी पर जमकर फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता अब और इंतजार करने को तैयार नहीं है और पुल निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक ने अधिकारियों को तत्काल कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि वर्षों से लंबित इस परियोजना को जल्द पूरा कर आम जनता को राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य में लगातार हो रही देरी और लापरवाही को गंभीरता से लिया गया है। इसी के चलते ठेकेदार सहित कई जिम्मेदार अधिकारियों को हटाने की कार्रवाई की गई है। विधायक ने चेतावनी दी कि विकास कार्यों में बाधा बनने वाले किसी भी अधिकारी या एजेंसी को बख्शा नहीं जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विधायक की नाराजगी के बाद, लोक सेतु निगम के जेई ने मौके पर आश्वासन दिया कि पुल निर्माण कार्य में तेजी लाई जाएगी और इसे नवंबर 2026 तक पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। इस पर विधायक ने स्पष्ट किया कि यदि नवंबर तक कार्य पूरा नहीं होता है, तो दिसंबर 2026 तक हर हाल में पुल का निर्माण पूरा कर जनता को समर्पित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह पुल क्षेत्र के हजारों लोगों की वर्षों पुरानी मांग है और इसके निर्माण में देरी से लोगों को दैनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक बृजेश रावत ने स्थानीय लोगों से भी सीधा संवाद किया और कहा कि अब किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि पुल निर्माण कार्य की प्रगति पर वह स्वयं लगातार निगरानी रखेंगे। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जनता से जुड़े विकास कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं, अन्यथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

उन्नाव: शिक्षकों और कर्मचारियों को मिले कैशलेस हेल्थ कार्ड

उन्नाव के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत रविवार को डीएसएन पीजी कॉलेज, उन्नाव में शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में योजना की विशेषताओं और स्वास्थ्य सुरक्षा से मिलने वाले लाभों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे में उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए इस सुविधा को एक ऐतिहासिक निर्णय बताया। विधायक गुप्ता ने आगे कहा कि यह योजना केवल कैशलेस उपचार की व्यवस्था ही नहीं करती, बल्कि इसमें बीमा कवर की सुविधा भी शामिल है। इससे शिक्षक और कर्मचारी अपने स्वास्थ्य को लेकर निश्चिंत रह सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत उनके परिवारों को भी विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा, जिससे आर्थिक बोझ कम होगा और बेहतर चिकित्सा उपलब्ध हो सकेगी।

उन्नाव: प्रशिक्षण के बाद रिक्रूट आरक्षियों का विधिक ज्ञान और व्यक्तित्व परीक्षण

उन्नाव की रिजर्व पुलिस लाइन में रविवार दोपहर बैच-2025 के रिक्रूट आरक्षियों का तीन माह का व्यवहारिक प्रशिक्षण पूरा हुआ। इसके बाद उनके प्रशिक्षण मूल्यांकन के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार आयोजित किए गए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने आरक्षियों के विधिक ज्ञान, पुलिस कार्यप्रणाली, अनुशासन, व्यवहारिक दक्षता और जनसंपर्क कौशल का परीक्षण किया। मूल्यांकन कार्यक्रम की शुरुआत लिखित परीक्षा से हुई। इस परीक्षा के माध्यम से रिक्रूट आरक्षियों द्वारा प्रशिक्षण अवधि के दौरान अर्जित विधिक जानकारी, पुलिसिंग से संबंधित विषयों और व्यवहारिक ज्ञान का आकलन किया गया। इसके बाद सभी प्रशिक्षु आरक्षियों का व्यक्तिगत साक्षात्कार लिया गया। इसमें उनके व्यक्तित्व, निर्णय लेने की क्षमता और व्यवहारिक अनुभव का मूल्यांकन किया गया। साक्षात्कार पैनल में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव जय प्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह, क्षेत्राधिकारी यातायात अजय कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी क्राइम प्रदीप मौर्य शामिल थे। अधिकारियों ने आरक्षियों से पुलिस कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था, जनसंपर्क, अनुशासन और प्रशिक्षण अनुभवों से जुड़े प्रश्न पूछे। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने रिक्रूट आरक्षियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा का दायित्व है। प्रत्येक पुलिसकर्मी को अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ करना चाहिए। उन्होंने आरक्षियों को आमजन के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने और कानून के प्रति निष्पक्ष एवं जवाबदेह रहने की सीख दी।

सीएम योगी का सपा पर हमला, बोले- अब कांवड़ यात्रा और जन्माष्टमी पर कोई रोक नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इटावा और मैनपुरी दौरे के दौरान 1,286 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।इस दौरान उन्होंने कांवड़ यात्रा, जन्माष्टमी और मंदिरों के विकास को लेकर समाजवादी पार्टी की पूर्व सरकार पर तीखा हमला बोला।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इटावा और मैनपुरी के दौरे के दौरान समाजवादी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में अब धार्मिक आस्था और परंपराओं का सम्मान किया जाता है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी की सरकार के समय कांवड़ यात्रा और जन्माष्टमी जैसे धार्मिक आयोजनों पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाई जाती थीं, जबकि डबल इंजन की सरकार में ऐसे आयोजनों को पूरा संरक्षण और सहयोग दिया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के बाद सावन का पवित्र महीना शुरू होगा और इसके साथ ही कांवड़ यात्रा भी निकलेगी। उन्होंने कहा कि पहले यह कहा जाता था कि कांवड़ यात्रा निकालने से दंगे हो जाएंगे और शिवभक्तों को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाती थी। यहां तक कि मंदिरों में शंख और घंटियां बजाने तक पर आपत्ति जताई जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सोच भगवा और केसरिया रंग के प्रति नकारात्मक रही है, जबकि वर्तमान सरकार धार्मिक आस्था का सम्मान करती है।योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी का उल्लेख करते हुए कहा कि अब पूरे प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव पूरी श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया जाता है। चाहे मथुरा-वृंदावन हो, मैनपुरी, इटावा या प्रदेश का कोई अन्य जिला, कहीं भी जन्माष्टमी मनाने पर कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पुलिस लाइन, थानों और जेलों तक में जन्माष्टमी आयोजन की अनुमति दी है, जबकि पूर्ववर्ती सरकार में ऐसी स्वतंत्रता नहीं थी।मुख्यमंत्री ने पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि अब सरकार मंदिरों के सुंदरीकरण और धार्मिक स्थलों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले विकास योजनाओं का धन कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल और कुछ चुनिंदा कार्यों में खर्च किया जाता था, जबकि अब वही संसाधन मंदिरों के विकास, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने में लगाए जा रहे हैं। उन्होंने इसे सरकारों की सोच का अंतर बताया।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलती थी, युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिलते थे और महिलाओं की सुरक्षा भी गंभीर चिंता का विषय थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार पारदर्शिता, सुशासन और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए विकास को हर जिले तक पहुंचाने का काम कर रही है।अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मैनपुरी में 682 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया, जबकि इटावा में 604 करोड़ रुपये की लागत वाली 128 विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य धार्मिक आस्था, विकास और सुशासन को साथ लेकर आगे बढ़ना है, ताकि उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाया जा सके।

छह वर्षीय बच्चे की 15 फीट गहरे गड्ढे में डूबने से मौत,गड्ढा प्राधिकरण द्वारा बोरिंग के लिए खोदा गया था

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क क्षेत्र में शनिवार शाम को एक छह वर्षीय बच्चे की 15 फीट गहरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। यह गड्ढा प्राधिकरण द्वारा बोरिंग के लिए खोदा गया था और बारिश के पानी से भरा हुआ था। मृतक बच्चे की पहचान केंद्रीय विद्यालय के उप प्रधानाचार्य सीवान यादव के बेटे अव्यान के रूप में हुई है। घटना शनिवार शाम की है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को अव्यान अन्य बच्चों के साथ कलाधाम सोसायटी के पास खेल रहा था। खेलते-खेलते वह बारिश के पानी से भरे गहरे गड्ढे के पास पहुंच गया और अचानक उसमें गिर गया। साथ खेल रहे बच्चों ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सोसायटी निवासी प्रांजल ने बताया कि शाम करीब 6:30 बजे एक बच्चे ने उन्हें अव्यान के डूबने की सूचना दी। उन्होंने अन्य लोगों को बुलाया, जिसके बाद तीन लोग गड्ढे में उतरे और बच्चे को बाहर निकाला। बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह गड्ढा कई दिन पहले प्राधिकरण द्वारा बोरिंग कार्य के लिए खोदा गया था। बारिश के बाद इसमें पानी भर गया था, लेकिन सुरक्षा के लिए न तो कोई बैरिकेडिंग की गई थी और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। लोगों का कहना है कि यदि समय पर सुरक्षा उपाय किए जाते तो इस हादसे को टाला जा सकता था। घटना की सूचना मिलने पर एसडीएम आशुतोष मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें सूचना मिली थी और मौके पर जांच पड़ताल की जा रही है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई

यूपी के संभल जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया है। यहां गंगा एक्सप्रेसवे पर एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि ड्राइवर को नींद आने की वजह से यह हादसा हुआ होगा। फिलहाल पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि यूपी के संभल जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर बहराइच से पंजाब जा रही एक डबल-डेकर बस डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 25 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। यह हादसा संभल के बहजोई पुलिस स्टेशन इलाके में लहरावन इंटरचेंज के पास हुआ। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान नेहा (17) और चिंटू (36) के तौर पर हुई है। वहीं आनन-फानन में दो दर्जन से ज़्यादा घायल यात्रियों को बहजोई के कम्युनिटी हेल्थ सेंटर ले जाया गया, जहां उन्हें शुरुआती इलाज दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि कुछ घायलों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पतालों में भेजा जा रहा है। वहीं हादसे को लेकर चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. तरुण पाठक ने बताया कि ऐसा लगता है कि यह हादसा ड्राइवर को गाड़ी चलाते समय नींद आने की वजह से हुआ। उन्होंने कहा, "ऐसा लगता है कि ड्राइवर सो गया था, जिससे यह हादसा हुआ। सड़क हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 20-25 लोग घायल हो गए और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।" वहीं लखीमपुर खीरी के रहने वाले एक यात्री राम लखन ने दावा किया कि हादसे से कुछ देर पहले ही बस अपनी लेन से हट गई थी। उन्होंने कहा, "हादसे की जगह से लगभग 50 मीटर पहले ही बस एक तरफ चली गई थी। यात्री चिल्लाते रहे, लेकिन ड्राइवर सो गया था। इसके बाद बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई।" फिलहाल पुलिस इस हादसे की जांच कर रही है।

व्यापारी के घर में नौकरों ने ही चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला

उत्तर प्रदेश के हरदोई के कोतवाली शहर के रेलवेगंज में थोक किराना व्यापारी के घर हुई करीब ढाई करोड़ रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए 1 करोड़ 29 लाख रुपये बरामद कर लिया है। पुलिस ने 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, रेलवे गंज निवासी पंकज अग्रवाल हरदोई के बड़े किराना व्यापारी हैं। घर से ही वह व्यवसाय चलाते हैं। तीन कर्मचारी कुलदीप, दित्यांशु और शोभित उनके यहां काम करते थे और वहीं सो जाते थे।पुलिस के अनुसार, 16-17 जुलाई की रात कुलदीप, दित्यांशु और शोभित ने उन्हें नशीला पदार्थ खिलाया, जिससे वह गहरी नींद में सो गए। इसके बाद गिरोह ने अपने साथी नघेटा पूर्वी निवासी शिवम को पिकअप डाला लेकर बुलाया और घर में रखे कैश से भरे बैग एक-एक कर वाहन में लादे गए और पूरा गिरोह रात के अंधेरे में हरदोई छोड़कर निकल गया। सुबह जब पंकज अग्रवाल की नींद खुली तो घर से करोड़ों रुपये गायब थे। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।व्यापारी पंकज अग्रवाल की तहरीर पर पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट लिखी, लेकिन रुपये कितने चोरी हुए तहरीर में इसकी जानकारी नहीं दी। हालांकि, पुलिस को यह जरूर बताया कि रकम करोड़ों में है। पुलिस ने जांच शुरू की तो पुलिस आरोपियों के पीछे-पीछे लखनऊ के मड़ियांव तक पहुंच गई। यहां मास्टरमाइंड अजय शुक्ला ने अपने दोस्त महफूज उर्फ लाली निवासी बाराबंकी से संपर्क किया। महफूज ने अपने साथी अमान, हरिओम नगर, मड़ियांव को साथ जोड़ लिया और उनके रहने का इंतजाम कराया।